

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इजिथियल जज

22 $\frac{11}{24}$

पत्रावली प्रस्तुत वाली प्रार्थी दुःख सहित
गोपनीय व लवांग पत्र को पत्रावली
आइडा दिनांक 23/12/24 को पेश है।

23 $\frac{12}{24}$

पत्रावली प्रस्तुत कील वाटका खातिर होने के
कारण इस पत्र का कोई औचित्य नहीं है।
भाग: हस्तगत प्राप्त पत्र शरीर पर खातिर
दिया जाता है। प्रपत्र के लक्षणाएँ होकर वाकि
पत्र हो व र्प र्प हो कर है।

सुरेश राव अ.ए.एस.
उपसभ अधिकारी
अनूपगढ़